

، وآتوا الزكاة وامروا بالمعروف ونهوا عن المنكر،
 قال تعالى: الذين ان مكناهم في الارض اقاموا الصلاة
 وآتوا الزكاة وامتروا بالمعروف ونهوا عن المنكر، وامتروا بالمعروف ونهوا عن المنكر، وامتروا بالمعروف ونهوا عن المنكر،
 وتجارب الفساد وتساوى بين الناس ويتم القسط والعدل
 على هذه الاوضاع الفاضلة والخدمة الانسانية وتنفذ قوانين الله
 ليس معنى ان امه تريد ان تستطير على العالم لتفرض
 الاصلية الاصلية بين الامم القائل بين الامم الاصلية
 الاصلية هو تناقض في الاصلية في الاصلية بين
 يؤدي الى حروب طاحنة تستمر سنين طويلة
 ان هذا التناقض الذي تحدث به الصحف والذي قد
 حقيقة الصراع بين الدول

ابدا.

تتغير هذه النفوس التي تبعد المادة فلي تتغير هذه الاوضاع
 اصل الانا هو شيء واحد (هو عادة النفس) فاذا لم
 جردتم النظر ونزلتم الى اعماق الحقائق فانكم ستجدون ان
 هذا هو الداء ايها الاجوان فلا تجدوا انفسكم، وكل
 المستأجرة الانانية.

هذه النفوس وهيمته هذه العقلية الحاضرة للمادة، الحاضرة
 على العالم كله وكل ما نأمن من فساد الاوضاع مرده الى فساد
 فيصبح حرازية او جماعية، ان هذه العقلية هي التي تستطير

[illegible]

تمت الختم في ١٢ ربيع الثاني ١٢٩١

[illegible]

في المظيق هذا ما هو في المظيق. المظيق

فان افراده مخصوص لصوص ان اللصوص اور ان عقیقہ عقیقہ ہی

۵۵ نیتہا لکھو

اصبحت الحواس الخمسة اذا اذني ، ولكن ان الله احيى

॥२॥ ३३

[illegible]

مختصين.

[illegible]

میتواند از اجزای این سال قیامه و ضایع و گسترده است

செய்து கொடுத்திருக்கிறார்கள்.

જો આજે ૬ જાન્યુઆરી ૧૯૭૧ ના રોજ

مستقیم است و این عمل را بر یک پرده مخرومه و در یک مخزنه مخزنه اختیار

[illegible]

1. 12/12/19

[illegible]

॥ श्रीगणेशाय नमः ॥

தமிழ் கவிதை - மொழி : இராமச்சந்திரன்

18. 19. 20. 21. 22. 23. 24. 25. 26. 27. 28. 29. 30. 31. 32. 33. 34. 35. 36. 37. 38. 39. 40. 41. 42. 43. 44. 45. 46. 47. 48. 49. 50. 51. 52. 53. 54. 55. 56. 57. 58. 59. 60. 61. 62. 63. 64. 65. 66. 67. 68. 69. 70. 71. 72. 73. 74. 75. 76. 77. 78. 79. 80. 81. 82. 83. 84. 85. 86. 87. 88. 89. 90. 91. 92. 93. 94. 95. 96. 97. 98. 99. 100. 101. 102. 103. 104. 105. 106. 107. 108. 109. 110. 111. 112. 113. 114. 115. 116. 117. 118. 119. 120. 121. 122. 123. 124. 125. 126. 127. 128. 129. 130. 131. 132. 133. 134. 135. 136. 137. 138. 139. 140. 141. 142. 143. 144. 145. 146. 147. 148. 149. 150. 151. 152. 153. 154. 155. 156. 157. 158. 159. 160. 161. 162. 163. 164. 165. 166. 167. 168. 169. 170. 171. 172. 173. 174. 175. 176. 177. 178. 179. 180. 181. 182. 183. 184. 185. 186. 187. 188. 189. 190. 191. 192. 193. 194. 195. 196. 197. 198. 199. 200. 201. 202. 203. 204. 205. 206. 207. 208. 209. 210. 211. 212. 213. 214. 215. 216. 217. 218. 219. 220. 221. 222. 223. 224. 225. 226. 227. 228. 229. 230. 231. 232. 233. 234. 235. 236. 237. 238. 239. 240. 241. 242. 243. 244. 245. 246. 247. 248. 249. 250. 251. 252. 253. 254. 255. 256. 257. 258. 259. 260. 261. 262. 263. 264. 265. 266. 267. 268. 269. 270. 271. 272. 273. 274. 275. 276. 277. 278. 279. 280. 281. 282. 283. 284. 285. 286. 287. 288. 289. 290. 291. 292. 293. 294. 295. 296. 297. 298. 299. 300. 301. 302. 303. 304. 305. 306. 307. 308. 309. 310. 311. 312. 313. 314. 315. 316. 317. 318. 319. 320. 321. 322. 323. 324. 325. 326. 327. 328. 329. 330. 331. 332. 333. 334. 335. 336. 337. 338. 339. 340. 341. 342. 343. 344. 345. 346. 347. 348. 349. 350. 351. 352. 353. 354. 355. 356. 357. 358. 359. 360. 361. 362. 363. 364. 365. 366. 367. 368. 369. 370. 371. 372. 373. 374. 375. 376. 377. 378. 379. 380. 381. 382. 383. 384. 385. 386. 387. 388. 389. 390. 391. 392. 393. 394. 395. 396. 397. 398. 399. 400. 401. 402. 403. 404. 405. 406. 407. 408. 409. 410. 411. 412. 413. 414. 415. 416. 417. 418. 419. 420. 421. 422. 423. 424. 425. 426. 427. 428. 429. 430. 431. 432. 433. 434. 435. 436. 437. 438. 439. 440. 441. 442. 443. 444. 445. 446. 447. 448. 449. 450. 451. 452. 453. 454. 455. 456. 457. 458. 459. 460. 461. 462. 463. 464. 465. 466. 467. 468. 469. 470. 471. 472. 473. 474. 475. 476. 477. 478. 479. 480. 481. 482. 483. 484. 485. 486. 487. 488. 489. 490. 491. 492. 493. 494. 495. 496. 497. 498. 499. 500. 501. 502. 503. 504. 505. 506. 507. 508. 509. 510. 511. 512. 513. 514. 515. 516. 517. 518. 519. 520. 521. 522. 523. 524. 525. 526. 527. 528. 529. 530. 531. 532. 533. 534. 535. 536. 537. 538. 539. 540. 541. 542. 543. 544. 545. 546. 547. 548. 549. 550. 551. 552. 553. 554. 555. 556. 557. 558. 559. 560. 561. 562. 563. 564. 565. 566. 567. 568. 569. 570. 571. 572. 573. 574. 575. 576. 577. 578. 579. 580. 581. 582. 583. 584. 585. 586. 587. 588. 589. 590. 591. 592. 593. 594. 595. 596. 597. 598. 599. 600. 601. 602. 603. 604. 605. 606. 607. 608. 609. 610. 611. 612. 613. 614. 615. 616. 617. 618. 619. 620. 621. 622. 623. 624. 625. 626. 627. 628. 629. 630. 631. 632. 633. 634. 635. 636. 637. 638. 639. 640. 641. 642. 643. 644. 645. 646. 647. 648. 649. 650. 651. 652. 653. 654. 655. 656. 657. 658. 659. 660. 661. 662. 663. 664. 665. 666. 667. 668. 669. 670. 671. 672. 673. 674. 675. 676. 677. 678. 679. 680. 681. 682. 683. 684. 685. 686. 687. 688. 689. 690. 691. 692. 693. 694. 695. 696. 697. 698. 699. 700. 701. 702. 703. 704. 705. 706. 707. 708. 709. 710. 711. 712. 713. 714. 715. 716. 717. 718. 719. 720. 721. 722. 723. 724. 725. 726. 727. 728. 729. 730. 731. 732. 733. 734. 735. 736. 737. 738. 739. 740. 741. 742. 743. 744. 745. 746. 747. 748. 749. 750. 751. 752. 753. 754. 755. 756. 757. 758. 759. 760. 761. 762. 763. 764. 765. 766. 767. 768. 769. 770. 771. 772. 773. 774. 775. 776. 777. 778. 779. 780. 781. 782. 783. 784. 785. 786. 787. 788. 789. 790. 791. 792. 793. 794. 795. 796. 797. 798. 799. 800. 801. 802. 803. 804. 805. 806. 807. 808. 809. 810. 811. 812. 813. 814. 815. 816. 817. 818. 819. 820. 821. 822. 823. 824. 825. 826. 827. 828. 829. 830. 831. 832. 833. 834. 835. 836. 837. 838. 839. 840. 841. 842. 843. 844. 845. 846. 847. 848. 849. 850. 851. 852. 8

[illegible]

2. 10. 1952.

[illegible]

مکتبہ دارالحدیث لاہور

১৭৮৩ খ্রিঃ ১৭৮৩ খ্রিঃ ১৭৮৩ খ্রিঃ ১৭৮৩ খ্রিঃ ১৭৮৩ খ্রিঃ
 ১৭৮৩ খ্রিঃ ১৭৮৩ খ্রিঃ ১৭৮৩ খ্রিঃ ১৭৮৩ খ্রিঃ ১৭৮৩ খ্রিঃ

[illegible]

وَمِنْهَا سِرٌّ كَثِيرٌ، وَكَثِيرٌ آخَرٌ يَسْتَعِينُ بِهِ

[illegible]

ଆମ ଏ ଗ୍ରନ୍ଥ - ବି ବିଷୟ ମତେ ଦାକ ନାହିଁ, କିନ୍ତୁ

[illegible]

॥ श्री गणेशाय नमः ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥

$\frac{d}{dt} \left(\frac{\partial L}{\partial \dot{x}} \right) = \frac{\partial L}{\partial x}$

ان هذا هو الحق، وقد افاد، لا فساد الا فسادا، فسادا لم يفسد لم يعلم ان

मि. १५७८

[illegible][illegible]

فكمي ان يتوا بقومكم ، ربوا فيما الايمان
والصحة -- كونوا مؤمنين بالله واليوم الآخر
الا سلام -- كونوا رعا اذا دانت لهم البلاد واصبحت
وماكون ازمه الا مورا لم يغيرم الوضع القاسد عما كانوا
عليه . هذا كان شأن الصحابة ، كانوا ضحفاء ، فقراء ،
يسلكون ماكنسون به اجسامهم ، ويشعرون به بطونهم

[illegible]

١٠٠٠ :
٢٥٢٣

- ١١ عقيل الانسانية
- ١٠ الى طاجي النخلة
- ٩ بين الصلوة والحقيقة
- ٨ بين الانسانية والصدق
- ٧ (قوة الطمانينة) الانسانية في التاريخ
- ٦ قصص النبي
- ٥ القصص النبوية
- ٤ مختارات من الادب العربي
- ٣ (قصة) من حكمة الانسانية
- ٢ مذكريات سائح في الشرق العربي
- ١ ماذا نجس العالم بالحفاظ

المؤلف